B.Com.(HONS)
P3 – A/cs & finance group.
Paper – Cost & Management Accounting.

प्रो० धनंजय कुमार
सहायक प्राध्यापक
(वाणिज्य विभाग)
V.S.J. महाविद्यालय
राजनगर (मधुबनी)

Date – 15.07.2020

UNIT – II
TOPIC – CONCEPT OF COST.

लागत अवधारणायें निम्नलिखित हैं:—

(1) **लागत (COST) :—** सामान्यतः समस्त व्ययों का योग लागत कहलाता है। इसमें प्रत्यक्ष रूप से वास्तविक तथा संभावित व्ययों की राशि को शामिल किया जाता है। इस प्रकार किसी वस्तु को पाने हेतु किया गया त्याग ही लागत होता है। लागत एक बहुआयामी शब्द है, जिसमें मूललागत, कारखाना लागत एवं उत्पादन लागत आदि आते हैं। अतः किसी उद्देश्य हेतु प्रयुक्त साधनों का मौद्रिक माप लागत कहलाता है।

(2) **लागत केन्द्र (COST CENTRE) :—** किसी गतिविधियों अथवा शॉप तथा उपकरणों के वह समूह जिसके संदर्भ में लागतें एकत्रित की जाती हैं, उसे लागत केन्द्र कहा जाता है। ये लागत केन्द्र विभाग अथवा किसी संगठन के उपविभाग होते हैं जिनके संदर्भ में लागतें लागत निर्धारण एवं नियंत्रण हेतु एकत्रित की जाती हैं। लागत निर्धारण तथा नियंत्रण हेतु उपयुक्त केन्द्र का निर्धारण बहुत ही महत्वपूर्ण होता है। अतः एक लागत केन्द्र का प्रबंधक अपने लागत केन्द्र की लागत नियंत्रण हेतु उत्तरदायी ठहराया जाता है। उदाहरणस्वरूप – इंजीनियरिंग उद्योग में लागत केन्द्र हो सकते हैं —

i) मशीन शॉप
ii) वेल्डिंग शॉप
iii) टेस्टिंग शॉप
iv) अनुरक्षण विभाग
v) सामान्य प्रशासन विभाग आदि।

(3) लाभ केन्द्र (PROFIT CENTRE) :→ लाभ केन्द्र व्यवसायिक क्रियाकलाप का वह भाग है जो आगम तथा व्यय दोनों के लिए उत्तरदायी होता है तथा कार्य के किसी भाग विशेष का लाभ प्रकट करता है। इस केन्द्र का निर्माण अधीनस्थ कर्मचारियों में अधिकार समर्पण हेतु तथा [redacted] उनकी निष्पत्ति के मूल्यांकन हेतु किया जाता है।

(4) काम-बंद लागत (SHUT-DOWN COST) :→ जब किसी प्लांट को अल्पकाल के लिए बंद कर दिया जाता है, तो बंद करने के बाद जो भी लागत होती है, उसे काम-बन्द लागत कहा जाता है। जैसे- भवन का किराया, ब्याज, अनुरक्षण व्यय आदि। चूँकि उत्पादन कार्य श्रमिकों की हड़ताल या कच्ची सामग्रियों का न मिलने पर बंद हो जाती है तो प्लांट के भवन का किराया, बीमा राशि व ब्याज आदि की व्यवस्था करनी पड़ती है। इन सभी लागतों को ही काम-बंद लागत कहा जाता है।

(5) डूबी लागत :→ (SUNK COST) → वैसी लागत जिसे वसूल नहीं किया जा सकता है उसे डूबी लागत कहा जाता है। यह प्लांट के पूर्ण अप्रचलन के कारण उत्पन्न होता है। अप्रचलित प्लांट के अपलिखित रकम में से उस प्लांट की विक्रय राशि को घटाने के बाद जो रकम रह जाती है उसे डूबी लागत कहा जाता है।

Scanned with CamScanner

(6) अवसर लागत (OPPORTUNITY COST) :- वैकल्पिक संभावित वैकल्पिक आय जो किसी उपलब्ध साधनों को या उत्पादन क्षमता को अन्य प्रयोग में लाने से अर्जित की जाती है उसे अवसर लागत कहा जाता है। यह आय का वह आधिक्य (surplus) है जो मौलिक रूप से विनियोजित साधनों के प्रयोग को रोकने के फलस्वरूप उत्पन्न होता है।

(7) आरोपित लागत (IMPUTED COST) :- वैसे परिकल्पित लागत जिसका प्रयोग लागत को तुलनात्मक बनाने में किया जाता है, उसे आरोपित लागत कहा जाता है। जब एक कारखाना भवन का मालिक अपनी निर्मित वस्तुओं की लागत में भवन का किराया इस कारण से सम्मिलित करता है उसकी वस्तुओं की लागत अन्य किराये पर चल रहे कारखानों की उत्पादन लागतों से तुलनात्मक हो सके तो भवन के मालिक द्वारा लागत में जो किराया सम्मिलित किया जाता है, वह आरोपित लागत होता है।

(8) प्रतिस्थापन लागत (REPLACEMENT COST) :- वैसी लागत जिस पर विद्यमान सम्पत्ति या सामग्री को उसी रूप में प्रतिस्थापित किया जाता है उसे प्रतिस्थापन लागत कहा जाता है। उदाहरणस्वरूप — पाँच वर्ष पूर्व एक संपत्ति 25000/- में क्रय किया गया था और अब वर्तमान में उसकी जगह पर उसी किस्म की संपत्ति क्रय करने में 50000/- रु० लगते हैं तो यह 50000/- उक्त संपत्ति की प्रतिस्थापन लागत होती है। —

Scanned with CamScanner

(9) <u>भेदात्मक लागत</u> (DIFFERENTIAL COST) :- सामान्यतः दो विकल्पों की लागतों के अंतर को भेदात्मक लागत कहा जाता है. यह उत्पादन की पद्धतियों; तरीकों व क्रियाओं के स्तर में परिवर्तन के कारण लागतों के परिवर्तन को भेदात्मक लागत कहा जाता है.

(10) रूपान्तरण लागत (CONVERSION COST) :- प्रत्यक्ष सामग्री की लागत के अतिरिक्त अन्य उत्पादन लागत को रूपान्तरण लागत कहा जाता है. यह लागत उन सभी प्रत्यक्ष श्रम, प्रत्यक्ष व्यय व उपरिव्ययों का योग है जो कच्ची सामग्री को निर्मित अवस्था तक लाने में अथवा उत्पाद के एक स्तर से दूसरे स्तर तक सामग्री का रूपान्तरण करने में व्यय की जाती है.

(11) <u>अनुसंधान लागत</u> :- एक संस्था में नवीन व उन्नत उत्पादों की खोज, सामग्री को नवीन सम्प्रयोग करने अथवा नवीन व उन्नत पद्धतियों को लागू करने संबंधी जो लागत होती है उसे अनुसंधान लागत के रूप में जाना जाता है.